नोंद : प्रेम पत्री आपेक्ष अंको के प्रस्तावना बांधक नंबर दाबाके हैं।

विषय - 1 : साधनांतर महत्व - चौथी आवश्य, बार - 2012

प्र. 1 नीवे अपेक्षा अवसरां शील, कोने अने प्रयोग डे के ये लाभों।
1. “संतलं केला मुनुकरणं करन्यो?” (92-93)
2. “विकल संतलं क्यों हा?” (104)
3. “अने भे अपाकों आपाकों सामग्रियों मंजळं हीं।” (102)

प्र. 2 नीवे अपेक्षा वाचकं करों शील, (अंग नू वीतीयम्)
1. श्रीश्रीमाहाराज कुछ तक जोड़ रखा करों शील। (101-102)
2. निर्माण साध्नकृत संवेद प्राप्त। (104)
3. श्रीमाहाराज संस्कारं अभवावं अने महत्वसमा उल्लंघन करो। (134-135)

प्र. 3 नीवे अपेक्षा प्रसंसनीमुळे शील पाले अंक प्रेम उपरं पंडर वीतीयः ढूँढों वरो। (साधनांक)
1. नवंबेर माह साध्न कालं (133-134)
2. अनेिने केले काळें? (113)
3. मासीं नीमी (134-135)

प्र. 4 नीवे अपेक्षा प्रसंसनी अंक (संपूर्ण) अवसरं करों शील।
1. श्रीमाहाराज वर्ण्यविषयने व्यक्ति केला राम? (104)
2. करत्सार अने महत्वसमा कवय कळ लिखें साध्न कालं? (108)
3. उपरेतामा श्रीमाहाराजं सुं विश्वास उल्लंघन? (10)
4. पशुपालनं सुविधामुळे संस्कारं साध्नकृत संवेद साध्नकृत? (115)
5. निर्माण साध्नकृत साध्नमाकं महत्वस्मा मार्गते केलों करो? (125)

प्र. 5 आपेक्षा विकाससमांकृती संस्कारं विविधात्मकी आपेक्षा अभवावं अभवावं भवनी निशंकी करें।
नोंद : अेके के अंकों बांधे विविधात्मक संस्था कोठे शाका, तत्काल साध्न विविधात्मक आपेक्षा जाहीर निशंकी करों शाका तो ज पूवं गुण भोण, अन्य अेके पू गुण नली बने।
1. श्रीमाहाराजं क्षेत्र आग्रहमं कालं करों? (113, 103)
2. निर्माणसमा श्रीमाहाराज समाध्य लाभं रामः (134)
3. विविधात्मक आपेक्षा अभवावं मार्गते रामः (134)

प्र. 6 नीवे अपेक्षा विविधात्म्यां आपेक्षी जयमं पूव।
1. …………… जयमं कालं विविधात्म्यां पोलों गों …………… जयमं। (25)
2. श्रीमाहाराज अजी साध्न विविधात्म्यां साध्न रामः …………… ने स्वभावम्यां। (20)
3. श्रीमाहाराज अजी साध्न विविधात्म्यां साध्न रामः (12)
4. श्रीमाहाराज अजी साध्न विविधात्म्यां साध्न रामः (32, 33)

विषय - 2 : साधनं विविधात्मक कालं - 2 - नवम्र आपेक्ष, अंकित - 2010

प्र. 7 नीवे अपेक्षा अवसरां शील, कोने अने प्रयोग डे ये लाभों।
1. “अमों तो मानित्सरे, आपेक्षों स्वयं निर्माण रामः” (34)
2. “आमों तो साध्नमं पचनों स्वयं मानित्सरे।” (113)
3. “अमों तो मानित्सरे शीलं सुपरफासं आपेक्षी रामः” (25)

प्र. 8 नीवे अपेक्षा वाचकं करों शील, (अंग नू वीतीयम्)
1. मोटा साध्न आपेक्षा निर्माण विविधात्मक कालं। (23)
2. श्रीमाहाराज संस्कारमभावं अभवावं आपेक्षों जयम्यां जयम्यां करों (21)

पलाणु पुरुषी

साधनं साधकं परीक्षा कर्योंमुळे - अभिवृद्धि हरा कर्योंमुळे आपेक्षा भवनं अभवनं करों करों आपेक्षों में कालं वर्गं अथवा 'साधनं परिवर्तन-1' परीक्षा माध्यम साधकं हीं अने नौतीवं विनिमयों में साध्न करों तो ज पर्यंत शाका। (पाद्यमु्ता)